गुरु पूर्णिमा पर्व पर मिशनरी आस्था की प्रेरक अभिव्यक्तियाँ

घर-घर चेतना विस्तार

पिलानी (राजस्थान)

युग निर्माण योजना के 'गायत्री विशेषांक' से प्रेरित होकर पिलानी के कर्मठ गायत्री साधक दम्पती श्रीमती कृष्णा एवं श्री सुभाष कौशिक ने गायत्री जयंती से गुरु पूर्णिमा तक २४ घरों में गायत्री चेतना विस्तार के विशिष्ट कार्यक्रम आयोजन करने का संकल्प लिया। उसी विशेषांक को आधार बनाकर जप, चालीसा, स्वाध्याय एवं दीपयज्ञ का क्रम आरंभ किया गया, तो कार्यक्रमों को जोरदार जन समर्थन मिला। पूरी कॉलोनी ही साधनामय हो गयी। २४ दिनों में लगातार २९ कार्यक्रम सम्पन्न हुए। इस बीच १०० पुस्तिका गायत्री मंत्र लेखन सम्पन्न हुआ। गुरु पूर्णिमा पर्व पर गायत्री चेतना विस्तार के समग्र अभियान की पाँच कुण्डीय यज्ञ के साथ पूर्णाहुति की गयी। ज्ञानयज्ञ की ज्योति जलाने घर-घर जाने का संकल्प और उत्साह फलित हुआ। इस अभियान में श्रीमती कांता शर्मा, श्रीमती गीता कुम्हार एवं श्रीमती प्रेम कँवर का विशेष सहयोग मिला।

ठाणेगाँव, गोंदिया (महाराष्ट्र)

शक्तिपीठ ठाणेगाँव में गुरुपूर्णिमा पर्व मनाते हुए स्थानीय परिजनों ने 'अपने अंग-अवयवों से' पत्रक तथा प्रज्ञा अभियान पाक्षिक के १ जुलाई के सम्पादकीय का सहयोग लेते हुए गुरु चेतना की प्रखरता और आकांक्षा की अनुभूति का प्रयास किया। उल्लेखनीय रचनात्मक संकल्प उभरे; शक्तिपीठ पर प्रतिदिन परिव्राजक की नियुक्ति, प्रज्ञा अभियान की सदस्य संख्या के विस्तार, ४१ नये प्रज्ञा मण्डलों का गठन, युग निर्माण योजना के 'गायत्री विशेषांक' की एक हजार प्रतियों के नि:शुल्क वितरण एवं ज्ञानघट स्थापना के संकल्प उभरे।

विस्तार पटल का शुभारंभ

लुधियाना (पंजाब)

अश्वमेध महायज्ञ के लिए प्रस्तावित लुधियाना नगर में गुरुपूर्णिमा पर्व गायत्री शक्तिपीठ पर मनाया गया। हजारों लोगों ने अखण्ड जप एवं ९ कुण्डी यज्ञ में भाग लिया। इस अवसर पर साहित्य विस्तार पटल का शुभारंभ होने से उपस्थित लोगों में प्रफुल्लता की लहर देखी गयी। क्षेत्रीय विधायक श्री मलकीत सिंह दारवा ने विस्तार पटल से वाङ्मय खण्ड खरीदते हुए कहा कि यह सत्साहित्य राष्ट्र को नयी दिशा प्रदान करने में समर्थ है।

गणमान्यों की श्रद्धांजलि

रायपुर (छत्तीसगढ़)

गायत्री ज्ञान मंदिर दावड़ा कॉलोनी में मनाये गये गुरुपूर्णिमा महोत्सव में हजारों श्रद्धालुओं के बीच कई महानुभावों ने उपस्थित रहकर उनका उत्साहवर्धन किया। माननीय श्री बृजमोहन अग्रवाल-मंत्री राजस्व, वन, धर्मस्व, संस्कृति एवं पर्यटन दीप महायज्ञ के मुख्य अतिथि थे। गुरु पूर्णिमा समारोह में सर्वश्री श्याम बैस-विकास प्राधिकरण रायपुर, श्री हनुमान प्रसाद अग्रवाल-संगठन मंत्री अग्रवाल सभा रायपुर, श्री प्रकाश दावड़ा-वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायंस क्लब, पार्षद, वैज्ञानिक आदि उपस्थित थे। श्री दावड़ा जी ने पूर्व में मंदिर निर्माण के लिए १० हजार वर्ग फीट जमीन दान की थी। वे इसी भूमि से लगी इतनी ही और भूमि दान करने के लिए उत्साहित हैं।

ग्रेटर नोएडा (उत्तर प्रदेश)

ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के प्रमुख उद्योगपति कैप्टन चौहान जी ने अपनी ८५० परिवारों वाली भव्य आवासीय कॉलोनी के प्रेक्षागृह में गुरु पूर्णिमा पर पर्व आयोजन एवं दीपयज्ञ का अत्यंत महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया। शांतिकुंज से इसे सम्पन्न कराने प्रो. विश्वप्रकाश त्रिपाठी की टोली पहुँची थी। दूरदर्शन एवं ईटीवी ने इस पूरे कार्यक्रम को रिकॉर्ड किया। ईटीवी ने प्रो. त्रिपाठी जी का इण्टरव्यू लिया, जिसमें उन्होंने गायत्री की गुरुमंत्र के रूप में व्याख्या करते हुए कहा कि आज जब हमारे समक्ष आदर्श व्यक्तित्वों का अभाव है, यह गुरुमंत्र हमारे अंत:करण का मंथन कर हमें सन्मार्ग की प्रेरणा देता है, हमें आत्मबल सम्पन्न बनाता है। कैप्टन चौहान एवं साथियों ने कॉलोनी के सभी ८५० घरों में मिशन का प्रकाश पहुँचा देने का उत्साह व्यक्त किया।

नेपाल में नवजागृति

बुटवल (नेपाल)

१३ जुलाई को गायत्री शक्तिपीठ, बुटवल, नेपाल में कार्यकर्त्ता संगोष्ठी का आयोजन हुआ। शांतिकुंज के जोनल प्रभारी प्रतिनिधि श्री सुखदेव शर्मा एवं श्री ओइन्द्र सिंह ने इसमें युग चेतना विस्तार के विभिन्न सूत्रों की ओर परिजनों का ध्यानाकर्षण किया। परिणाम स्वरूप बुटवल शक्तिपीठ पर पाँच टोलियों का गठन हुआ और उन्हें अलग-अलग क्षेत्रों में जन जागरण का प्रभार सौंपा गया।

गुरुपूर्णिमा पर्व पर पाँच बहिनों ने दीक्षा ली। कार्यक्रम में गायत्री जयंती पर रक्तदान करने वाले ३२ लोगों एवं युग निर्माण मिशन में विशेष सहयोग देने वाले लोगों का युग साहित्य आदि प्रदान कर सम्मान किया गया। विश्व हिन्दू महासंघ के केन्द्रीय उपाध्यक्ष श्री गणेशभान सेजु ने इस अवसर पर व्यसनमुक्ति आन्दोलन को गति देने की प्रेरणा दी। ❋

यूथ कैम्प से कुछ अलग हटकर

(पृष्ठ ८ पर दिये अमेरिका-कनाडा प्रवास के पूरक समाचार)

१. पर्लिन (न्यूजर्सी) में एक विशाल १०८ कुण्डीय यज्ञ १५ जुलाई को सम्पन्न हुआ। लगभग सभी भागीदारों ने गुरुपर्व की वेला में दीक्षा भी ली। यहाँ गायत्री चेतना केन्द्र निर्माण हेतु दो स्थान भी चुने गये।

२. वॉशिंगटन डीसी के मंगल मंदिर में भी गुरु पूर्णिमा पर गुरु तत्व की गरिमा पर उद्‌बोधन एवं प्रश्नोत्तरी का क्रम चला।

३. बोस्टन, जो कि विद्या नगरी है, में आदरणीय डॉ. साहब ने डॉ. राहुल के साथ एक करार पर हस्ताक्षर किया, जिसमें देसंविवि के छात्र-छात्राओं का एक्सचेंज कार्यक्रम चलेगा।

४. शिकागो शाखा ने दस वर्ष तक किराये के स्थान पर एक गायत्री ज्ञान मंदिर में अपने कार्यक्रम सफलता पूर्वक चलाए। अब उनने एक बड़ी भूमि, जिसमें एक

पर्लिन के १०८ कुण्डीय यज्ञ में आरती कराते आद.डॉ.साहब और यज्ञ करते स्थानीय मेयर-दायें उपवस्त्र पहने हुए

स्वामीनारायण मंदिर में परस्पर स्वागत-सम्मान

चर्च एवं एक मकान है, खरीद लिया है। इटास्का नगरी धनवानों की नगरी है, शिकागो का केन्द्र है। उसमें ६ अगस्त को लगभग ५ एकड़ भूमि में एक विशाल गायत्री शक्तिपीठ का लोकार्पण किया गया। वहाँ यूथ कैम्प के बाद १०८ कुण्डीय यज्ञ का आयोजन युवाओं द्वारा ही संचालित किया गया। शांतिकुंज प्रतिनिधि श्री ओंकार जी, श्री शांतिलाल पटेल एवं श्री छबिलाल जी भी कार्यक्रम में शामिल थे। यहाँ तीन प्रेस वार्ताएँ हुईं एवं टीवी इण्टरव्यू रिकॉर्ड किये गये। ❋

अक्टूबर से आरंभ हो रहे हैं 'अंत: ऊर्जा जागरण सत्र'

गायत्री तीर्थ-शांतिकुंज में उच्च स्तरीय साधना के लिए पाँच दिवसीय अंत:ऊर्जा जागरण सत्र अक्टूबर २००६ से पुन: आरंभ हो रहे हैं। सत्र की तिथियाँ एवं आवश्यक शर्तें निम्नानुसार हैं-

अक्टूबर २००६ -२६ से ३०; **नवम्बर ०६**-१ से ५, ६ से १०, ११ से १५, १६ से २०, २१ से २५, २६ से ३० **दिसम्बर ०६**-१ से ५, ६ से १०, ११ से १५, १६ से २०, २१ से २५, **जनवरी २००७** : ५ से ९, १० से १४, १५ से १९, २७ से ३१ **फरवरी ०७**-१से ५, ६ से १०, ११ से १५, १६ से २०, २१ से २५, २६ से २ मार्च, **मार्च ०७** :३ से ७, ८ से १२, शिविरार्थियों को प्रत्येक सत्र के एक दिन पहले दोपहर १२ बजे तक पहुँचना होता है।

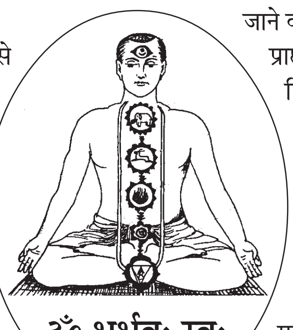

आवेदक ध्यान दें

यह साधना उच्च स्तरीय है। साधना काल के नियम बहुत कड़े हैं। प्रत्येक साधक को पाँच दिन तक एक ही साधना कक्ष में अकेले मौन रहकर निर्धारित तप-साधना करनी होती है। किसी से मिलने की छूट नहीं होती। अत: वे ही आवेदन करें :-

* जिन्हें साधना का अनुभव हो, पहले शांतिकुंज में ९ दिवसीय संजीवनी साधना सत्र या एक मासीय युग शिल्पी सत्र कर चुके हों।
* जो शरीर से स्वस्थ हों।
* जिनके साथ कोई ऐसे आश्रित न हों जिनका ध्यान रखना जरूरी हो।
* जो साधना की नियमावली से पूरी तरह परिचित हों (यदि न हों तो शांतिकुंज से *'अंत: ऊर्जा जागरण सत्र की दिशा-निर्देशिका'* आने-जाने वालों से या डाक से मँगाकर जानकारी प्राप्त कर लें।)
* जो मिशन के किसी न किसी अभियान में सक्रिय भूमिका निभा रहे हों।

साधक यदि साधना के लिए पूरी तरह से उपयुक्त हैं, तभी उन्हें साधना की अनुमति दी जाती है। स्वीकृति भेजते समय तो इन सब बातों का ध्यान रखा ही जाता है, जब स्वीकृति प्राप्त साधक यहाँ साधना के लिए आते हैं, तो भी उनसे पूछताछ होती है। यदि वे साधना के लिए उपयुक्त नहीं होते तो उन्हें साधना की अनुमति नहीं दी जाती। अत: निवेदन है कि योग्य व्यक्ति ही इस गरिमामय साधना के लिए आवेदन भेजें।

अंत:ऊर्जा जागरण सत्र यद्यपि २६ अक्टूबर २००६ से आरंभ हो रहे हैं, लेकिन नये आवेदक दिसम्बर माह या उसके बाद के सत्रों के लिए ही आवेदन भेजें। अक्टूबर एवं नवम्बर के सत्रों के लिए उन आवेदकों को स्वीकृति भेज दी गयी है, जिनको पिछले सत्रों में स्थान नहीं मिल पाया था।

अपने आवेदन पत्र में निम्न जानकारियाँ लिखें-

१.पूरा नाम २.पत्र व्यवहार का पूरा पता-टेलीफोन, फैक्स (एसटीडी कोड सहित) एवं मोबाइल नंम्बर ३. जन्म तिथि ४.आयु-शैक्षिक योग्यता एवं तकनीकी योग्यता, ५. व्यवसाय ६. मिशन में कब से जुड़े ? ७. दीक्षा कब ली ? कहाँ ली ? ८. उपासना-साधना का नियमित क्रम क्या है ? ९. शांतिकुंज में कौन-कौन से सत्र, कब-कब सम्पन्न किए हैं ? समयदान और अंशदान का क्या क्रम है ? १०. अपने स्तर पर कौन से, कितने अनुष्ठान किये ? ११. मिशन की कौन-सी पत्रिकाएँ कब से मँगाते है ? १२. मिशन के सेवा कार्यों में भागीदारी का विवरण किये गये उल्लेखनीय कार्य १३. क्या कोई शारीरिक या मानसिक रोग है ?

* अपने आवेदन के साथ एक पासपोर्ट साइज का नवीनतम फोटो अवश्य भेजें।
* साधना सत्र की तिथियों में कम से कम तीन विकल्प लिखें, ताकि पहले में स्थान न होने पर दूसरे या तीसरे सत्र में स्थान दिया जा सके। तीनों सत्रों में स्थान न हो तो क्या अन्य उपलब्ध स्थान वाली तिथियाँ दी जा सकती हैं ? यह भी लिखें। जानकारी एक के नीचे एक बिन्दुवार साफ-साफ शब्दों में लिखें।